विभाग का नाम — हिंदी
स्थापना बर्ष — 2016
पाठ्यक्रम का नाम — बी0 ए0 हिंदी
स्वीकृत शिक्षण पद — 1
भरे गए शिक्षण पद — 1

क्रम संख्या	नाम	योग्यता	अनुभव
1	अमन सूद	स्नातकोतर हिंदी (M.A.)शि**क्षा स्नातक;** (B.ed.) UGC-NET/JRF (HP) SET	4 **बर्ष**

शैक्षणिक प्रगतिः—

1 रामानुजम कॉलेज, दिल्ली से चार सप्ताह का ऑनलाइन इंडक्शन/ऑरिएंटेशन प्रोग्राम 21/03/22 से 19/04/22 सफलता पूर्वक पूर्ण किया।
2 राजकीय महाविद्यालय निहरी, जिला मंड़ी द्वारा आयोजित राट्रीय ई सम्मेलन में ''Covid-.19 का महाविद्वालयों पर प्रभाव '' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

3 राजकीय **शिक्षक** शि**क्षा** महाविद्यालय धर्मशाला से दो सप्ताह का ऑनलाइन इंडक्शन प्रोग्राम 28/10/2020 से 10/11/2020 तक सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

विभाग के बारे में

राजकिय महाविद्यालय सैंज में हिंदी विषय अनिवार्य तथा ऐछिक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। विभाग का उदेश्य छात्रों को हिंदी साहित्य तथा मातृभाशा के बारे में जागरूक करना व हिंदी भाषा में उत्कृष्टता का विकास करना है। हिंदी भाषा कें प्रति गौरव व सम्मान की भावना प्रदर्षित करने हेतु विभाग हर बर्ष हिंदी दिवस पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित करता है।हिंदी विभाग छात्रों की संवाद क्षमता को बढ़ाने

के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध हैं। वर्तमान समय को ध्यान में रखते हुए हिंदी विषय में पारंपरिक साहित्य विषयों के साथ अनुवाद विज्ञान, कार्यालयी हिंदी, समाचार संमेलन व लेखन, रंगालेख व रंगमंच सृजनात्मक साहित्य के विविध क्षेत्र तथा आधुनिक भारतीय साहित्य विषय भी पाठ्क्रम के अंतर्गत पढ़ाए जा रहें है जो छात्रों को रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करने में सक्षम है।

बी0ए0हिंदी करने के पश्चात् रोज़गार के अवसरः

1 अपनी रूचि के अनुसार उच्चतर शिक्षा या शिक्षक के क्षेत्र में जा सकते है।
2 राज्य सरकार केंद्र सरकार, संघ लोक सेवा आयोग की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले सकते हैं।
3 बैंक के क्षेत्र में जन संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य कर सकते हैं।
4 अनुवादक के विभिन्न पदों पर जा सकते हैं।
5 भाषा अधिकारी के रूप में कार्य कर सकते हैं।
6 भाषायी कौशल में सक्षम होने के कारण स्वतंत्र लेखन, सृजनात्मक लेखन, समाचार लेखन, समाचार वाचक आदि क्षेत्रों में जा सकते हैं।

हिंदी विषय पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थीः

1 हिंदी साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेगे।

2 सृजनात्मक लेखन के प्रति प्रेरित होंगे।

3 मनभावों व संवेदनाओं को जागृत कर पाएंगे और उसका व्यवहारिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

4 हिंदी भाषा, व्याकरण, भाषा विज्ञान का सम्यक ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे।

5 बौधिक, मानसिक, भाषिक विकास को प्राप्त कर सकेंगे।

6 विभिन्न जीवन मूल्यों को अपने जीवन में ढ़ालकर समाज के प्रति कर्तव्यनिष्ठ बन पाएंगे।

7 साहित्यों व लेखकों के जीवन व लेखन से प्रभावित होकर स्वतंत्र लेखन के लिए प्रेरित होगे।

शिक्षण सीखने की प्रक्रिया

व्याख्यान विधि
चर्चा /विचार विमर्श
असाइनमैंट
क्लास टेस्ट
प्रस्तुतीकरण